

पढ़ाने का तरीका

- हमारे यहाँ किसी भी टॉपिक को बना समझे याद करने या रटने की सलाह नहीं दी जाती बल्कि कोशिश की जाती है कि हर वदियार्थी मूल अवधारणाओं (Basic Concepts) को समझे तथा आत्मसात करे।
- एक बार किसी टॉपिक से संबंधित अवधारणाओं को समझ लेने के बाद उस टॉपिक से संबंधित प्रमुख सूचनाओं एवं तथ्यों को याद रखना ज़्यादा मुश्किल नहीं रहता है, फलस्वरूप परीक्षा में उस टॉपिक से घुमा-फरिाकर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने में वदियार्थी सहजता महसूस करता है।
- हमारे अध्यापक कक्षा में वदियार्थियों को सरिफ लिखवाते रहने में वशिवास नहीं करते क्योंकि एक तो इससे वदियार्थियों का बहुत सारा समय अनुत्पादक तरीके से खर्च होता है, साथ ही उसकी ज़्यादातर ऊर्जा लिखने में लग जाती है और वह अवधारणाओं को समझने में पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाता है।
- हमारे अध्यापक खुद वसितृत नोट्स तैयार करके वदियार्थियों को देते हैं ताकि उन्हें अन्य स्रोतों से कुछ और न पढ़ना पड़े।
- कक्षा में हर टॉपिक पर वसितृत व रोचक ढंग से चर्चा होती है। हास्य-व्यंग्य, मनोरंजक और रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी घटनाओं के उदाहरणों का प्रयोग करते हुए वदियार्थियों को अवधारणाएँ समझाई जाती हैं।
- कक्षा में प्रोजेक्टर के माध्यम से वभिन्न घटनाओं एवं अवधारणाओं से जुड़ी वीडियो क्लिप्स एवं मानचित्र/ आरेख के माध्यम से वभिन्न घटनाओं एवं अमूर्त वषियों को समझाया जाता है ताकि पिढ़ाई गई बातें लंबे समय तक और स्पष्टता के साथ वदियार्थियों को याद रह सकें।
- कक्षा में पढ़ाए जा रहे वषिय के संबंध में अपनी जज़िआसाओं के समाधान के लिये वदियार्थी अध्यापकों से सवाल पूछ सकते हैं। हमारे सभी अध्यापकों की कोशिश रहती है कि वे वदियार्थियों की वषिय से संबंधित सभी जज़िआसाओं को संतुष्ट करें।
- वगित वर्षों में परीक्षाओं में पहले पूछे जा चुके तथा भावी परीक्षा के लिये संभावित प्रश्नों को कक्षा की चर्चाओं में एक ज़रूरी संदर्भ की तरह शामिल किया जाता है ताकि वदियार्थी सरिफ अवधारणाओं को समझने तक सीमित न रहें बल्कि यह भी समझें कि उन्हें अपने अर्जति ज्ञान को परीक्षा में किस तरह प्रस्तुत करना है? मुख्य परीक्षा के प्रश्नों के उत्तरों की रूपरेखा पर वशिष चर्चा होती है तथा उत्तरों के प्रारूप लिखवाए जाते हैं। साथ ही, वदियार्थियों को दैनिक रूप से प्रश्नोत्तर अभ्यास के लिये प्रेरति किया जाता है।
- कक्षा के दौरान इस बात का वशिष ध्यान रखा जाता है कि कक्षा की चर्चाओं में अनावश्यक भटकाव न हो ताकि सितर का समापन नरिधारति समय में हो सके।